



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्य रेड्यू	2-7-23	5	4-8

हाईटेक हुए किसान, वर्चुअल कृषि समाधान सेवा का उदा रहे लाभ

हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का कृषि विभाग के एसीएस ने किया दौरा

सच. कर्ण/सदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का कृषि एवं किसान कल्याण हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया है। इस



हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र एटीआईसी में अधिकारियों को संबोधित करते हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल।

सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब घर बैठे अपनी समस्याओं का स्टीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में दी जा रही

सुविधाओं में विशेषज्ञ फसल में आई समस्या को स्क्रीन पर देखकर किसान को उस समस्या का स्टीक समाधान बता रहे हैं, जिससे एक तो किसान के समय और खर्च की भी बचत हो रही है।

सभी विषय विशेषज्ञों की टीम बताती है समाधान

इस सेवा के लिए विश्वविद्यालय के सभी विषय विशेषज्ञों की टीम वर्चुअल माध्यम से किसानों से सीधे जुड़कर उनकी समस्या का समाधान

कर रही है। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र की ओर से किसानों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दी जा रही अन्य सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों व शिक्षाविद की दुरुस्त सुविधा देखकर सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप-निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. तरुण शर्मा, जिला विस्तार जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब रेसरी	2-7-23	4	1-2



हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में अधिकारियों को संबोधित करते अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल।

हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का ए.सी.एस. ने किया दौरा

हिसार, 1 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) को कृषि एवं किसान कल्याण, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, आई.ए.एस. ने दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया

है। इस सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब घर बैठे अपनी समस्याओं का स्टीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र की ओर से किसानों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दी जा रही अन्य सुविधाओं से भी अवगत कराया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप-निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. तरुण शर्मा, जिला विस्तार जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार 2	2-7-23	5	1-3

हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का एसीएस, कृषि विभाग ने किया दौरा

हिसार, 1 जुलाई (किरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का कृषि एवं किसान कल्याण, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया है। इस सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब



घर बैठे अपनी समस्याओं का स्टीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया है। इस सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब

के लिए विश्वविद्यालय के सभी विषय विशेषज्ञों की टीम वर्चुअल माध्यम से किसानों से सीधे जुड़कर उनकी समस्या का समाधान कर रही है। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र की ओर से किसानों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दी जा रही अन्य सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों व शिक्षाविदों की दुरुस्त सुविधा देखकर सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप-निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. तरुण शर्मा, जिला विस्तार जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	2-7-23	12	2-7

कृषि विभाग के एसीएस ने किया एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का दौरा

■ फसल में आई समस्या स्क्रीन पर देखकर समाधान बता रहे कृषि विशेषज्ञ

हरिन्यूज न्यूज | हिंसार



कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने एचएयू में स्थापित कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने बताया कि एसीएस सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया गया है। इस सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब घर बैठे अपनी समस्याओं का स्टीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं। कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में दी जा रही सुविधाओं में विशेषज्ञ फसल में आई समस्या को

हिसार। एचएयू में अधिकारियों को संबोधित करते कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल।

स्क्रीन पर देखकर किसान को उस समस्या का स्टीक समाधान बता रहे हैं, जिससे एक तो किसान के समय और खर्च की भी बचत हो रही है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. विनाद फोगाट, डॉ. तरुण शर्मा, जिला विस्तार जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2-7-23	2	7-8

फायदेमंद है वर्चुअल कृषि समाधान सेवा

हिसार। एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का शनिवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने दौरा किया। सचिव ने केंद्र की तमाम गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और इस सेवा को किसानों के लिए फायदेमंद बताया। एटीक के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को बताया कि इस वर्चुअल कृषि समाधान सेवा के शुरू होने से किसान व पशुपालक घर बैठे अपनी समस्याओं का सटीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञ फसल में आई समस्या को स्क्रीन पर देखकर किसान को उसका समाधान बता रहे हैं। इससे किसान के समय और खर्च को बचत हो रही है। विश्वविद्यालय के सभी विषय विशेषज्ञों की टीम वर्चुअल माध्यम से किसानों से सीधे जुड़कर उनकी समस्या का समाधान कर रही है। इस दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. तरुण शर्मा, जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 2-7-23	2-7-23	3	5

कृषि विभाग के एसीएस
ने किया एचएयू का दौरा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र एटीक का कृषि एवं किसान कल्याण के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने दौरा किया। जहां उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र एटीक के मैनेजर डा. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र एटीक में दो जा रही सुविधाओं में विशेषज्ञ फसल में आई समस्या को स्क्रीन पर देखकर किसान को उस समस्या का स्टीक समाधान बता रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन के जागरण	2-7-23	2	6

**एसीएस ने कृषि प्रौद्योगिकी
सूचना केंद्र का किया दौरा**

जासं, हिसार : एचएयू में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का कृषि एवं किसान कल्याण हरियाणा के एसीएस सुधीर राजपाल ने दौरा किया। उन्होंने केंद्र की गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। केंद्र के मैनेजर डा. जोगेंद्र सिंह ने सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.07.2023	--	--

एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का अतिरिक्त मुख्य सचिव ने किया दौरा

सिटी पल्स न्यूज, हिंसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) का कृषि एवं किसान कल्याण, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, आईएस ने दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र की तमाम गतिविधियों से लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) के मैनेजर डॉ. जोगेंद्र सिंह ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को केंद्र से संबंधित हर कार्यप्रणाली सहित गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कृषि प्रौद्योगिकी



व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेते अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल।

सूचना केंद्र (एटीक) में वर्चुअल कृषि समाधान सेवा को किसानों को समर्पित किया है। इस सेवा के शुरू होने से हरियाणा के किसान व पशुपालक अब घर बैठे अपनी

समस्याओं का स्टीक समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एटीक) में दी जा रही सुविधाओं में विशेषतः

फसल में आई समस्या को स्क्रीन पर देखकर किसान को उस समस्या का स्टीक समाधान बता रहे हैं, जिससे एक तो किसान के समय और खर्च की भी बचत हो रही है। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र की ओर से किसानों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दी जा रही अन्य सुविधाओं से भी अवगत कराया गया।

इस अवसर पर डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग के उप-निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. रakesh कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3-7-23	2	1-2

संकर बाजरे का बीज हर साल नया ही बोएं किसान बिजाई के 3 और 5 सप्ताह बाद निराई-गुड़ाई करें

हिसार। संकर बाजरे की बिजाई के लिए जुलाई का प्रथम पखवाड़ा सबसे उत्तम है। संकर बाजरे की बिजाई के लिए हर साल नया बीज प्रयोग में लाएं। बिजाई से पहले खेत को 2 या 3 बार जोतकर फौरन सुहागा लगाएं, ताकि घासफूस न रहे। एक एकड़ खेत के लिए 1.5 से 2 किलोग्राम बीज चाहिए।

अमर उजाला के मध्यम से पूछे गए झुंजर जिले के गांव ददुदनपुर गांव के सुनील के प्रश्न पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति बीआर कांबोज ने बताया कि खेत में सही उगाव के लिए बिजाई खूडों में इस तरह करें कि बीज के ऊपर 2 से 3 सेंटीमीटर से अधिक मिट्टी न पड़े। दो खूडों का फासला 45 सेंटीमीटर रखें। वर्षा के मौसम में मेड़ों पर बिजाई करना अच्छा होता है। इस तरीके से बिजाई के लिए विश्वविद्यालय के शुष्क खेती अनुसंधान केंद्र द्वारा निर्मित मेड़ों पर बीजने वाले हल का प्रयोग करें। आम उपजाऊ व सिंचाई की सुविधा वाली भूमि में प्रति एकड़ 135 किग्रा यूरिया, 150 किग्रा सिंगल सुपर फास्फेट तथा 10 किग्रा जिंक सल्फेट डाली जानी चाहिए। आधी यूरिया बिजाई के समय ड्रिल करें व शेष छंटाई के समय व मिट्टे बनते समय दें। अंसिंचित बाजरे में 35 किग्रा यूरिया व 50 किग्रा सिंगल



बाजरा की संकर किस्में

एचएचबी 50, एचएचबी 60, एचएचबी 94, एचएचबी 67 (संशोधित), एचएचबी 117, एचएचबी 146, एचएचबी 197, एचएचबी 216, एचएचबी 223 व एचएचबी 226, एचएचबी 234, एचएचबी 272, एचएचबी 299, एचएचबी 311 व कम्पोजिट किस्में, एचसी 10 व एचसी 20 बोएं।

सुपर फास्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय ड्रिल करें। सिंचित बाजरा में फास्फोरस व जिंक सल्फेट बिजाई के समय पोरें।

भूमि में यदि लौह तत्व की कमी है तो 0.5 प्रतिशत आयरन सल्फेट के घोल का छिड़काव बिजाई के 25-30 दिन बाद (फुटाव अवस्था) करें। बाजरे की बिजाई के 3 और 5 सप्ताह बाद निराई-गुड़ाई करें। खरपतवारों की रोकथाम रसायनों से भी की जा सकती है। बिजाई के तुरंत बाद 400 ग्राम एट्राजीन प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें। यदि बिजाई के तुरंत बाद एट्राजीन का प्रयोग न कर सके तो 10-15 दिन में भी उतनी ही मात्रा प्रयोग कर सकते हैं।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सप्तावार मंत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाहा	3-7-23	2	1-8

मक्के के हाइब्रिड बीज की करें बुआई, वैज्ञानिक तरीके अपनाने से होगा फायदा

फाँ कीट की रोकथाम के लिए बीजों को दवाओं से उपचारित कराना आवश्यक, मेड़ पर गेंदा, नेपियर घास को लगाना भी लाभकारी

संरक्षण। मक्का बिजाई का समय एक जुलाई से शुरू हो चुका है। ऐसे में यदि किसान अनुपेक्षित तकनीक से उत्पादन कीटों की बिजाई करें तो फायदे में रहेंगे। मक्का निरक्षेत्रों में किसानों को हाइब्रिड बीजों को बीजों की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि बिजाई से पहले बीजों को कुछ दवाओं से उपचारित करना आवश्यक है, यदि इन कीट बीजों आकार इन्फेक्शन कीटों से फसल बची रहेगी और उत्पादन बेहतर हो सकेगा।

कैफ़ी चला किट इमिग्रेशन कृषि निरक्षेत्रों के कृषकों को बीजों को फायदे में आना कि मक्का की बिजाई की वैज्ञानिक तरीके से को उन्नत और टिकाऊ तरीके का विज्ञान प्राप्त करें तो पानी

से कई गुना बेहतर फसल ली जा सकती है। उल्टी कहना कि किसानों को सामान्य मक्का से लंबी और मध्यम अवधि के लिए कुछ प्रकार के किटों और उत्पादन के एफएनपीएन 3, एफएनपीएन 4 और एफएनपीएन 5 शामिल बीजों की बिजाई करनी चाहिए। उन्हे बंधक कि मक्का के लिए उन्नत मिट्टी की ज़रूरत है। मक्का की अन्वेषण निम्नलिखित करने का प्रयास करना चाहिए। फसल-फसल करने से जो उन्नत लगाना चाहिए, यदि मिट्टी उपजुली हो गई और बीज में डाले बिनाकुल न रह जायें। मक्का को बिजाई के लिए उन्नत बीजों से ही बननी चाहिए, जहाँ पानी को निम्नलिखित से मक्का

बिजाई का समय और मात्रा

मक्का की बिजाई कर समय एक से 15 जुलाई तक उपजुली होता है जो अन्वेषण के लिए मक्का फसल की बिजाई 20 जुलाई तक पूरी कर लेनी चाहिए। इससे एक एकड़ बीज के लिए उन्नत निम्नलिखित बीज का उपयोग करना चाहिए।



• यदि मक्का भी बीजों में मिट्टी कीटों के अभाव में बीजों का प्रयोग करने से कम लाभ में अन्वेषण किया जा सकता है। यदि किसान लंबे में बिजाई अन्वेषण करने मक्का की बीजों 40 मिटर प्रति एकड़ की दर से बीजों की बिजाई से पहले डालें। सामान्य दवाओं से 50 मिटर बीजों, 40 मिटर एफएनपीएन 3 और 30 मिटर एफएनपीएन 4 से मक्का फसल बढ़े।

बिजाई का तरीका

• पूर्व-पौधे के बीजों में पैदा करने चाहिए। बीजों में उपजुली बीजों में मक्का से उन्नत फसल, जहाँ बिजाई करनी चाहिए। मक्का में अन्वेषण को उन्नत मक्का बीजों से अन्वेषण अधिक से बढ़ती होगा।

• बीज का उपचार... मक्का की बीजों को उन्नत (बीज) उन्नत निम्नलिखित तरीके से। इसके निम्नलिखित के लिए बीजों के बीजों और नेपियर घास को लगाना चाहिए। इससे फसल का उत्पादन कम होगा। यदि बीजों की रोकथाम के लिए मक्का को उन्नत निम्नलिखित 1.5 से 2 मिटर प्रति एकड़ की दर से मक्का की बिजाई करनी चाहिए। इससे मक्का की फसल भी हो सकती है। मक्का की बीजों से अन्वेषण से मक्का की फसल 2.5 से 3 मिटर प्रति एकड़ की दर से मक्का की फसल बढ़े।

खरपतवार नियंत्रण

• मक्का फसल के खरपतवार नियंत्रण के लिए 400-500 ग्राम एट्रिनालोरम 200-250 लीटर पानी में मक्का की बिजाई के लिए मक्का का खरपतवार उन्नत बीजों से पहले बिजाई करनी चाहिए।